राष्ट्रपति भवन में आयोजित नवाचार मेले में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की सहभागिता

राष्ट्रपति भवन में आयोजित नवाचार मेले में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की तरफ से डॉ. धनजी प्रसाद और श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय द्वारा सहभागिता की गई। इस आयोजन में हिंदी को कंप्यूटर और स्मार्ट तकनीकी साधनों पर प्रयोग में सक्षम के लिए विश्वविद्यालय में विकसित किए जा रहे हिंदी के भाषिक विश्लेषण और शिक्षण से संबंधित अनेक **सॉफ्टवेयर और एप्स** का प्रदर्शन और प्रस्तुतिकरण किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए किए जा रहे आवश्यक ***शिक्षण***, ***शोध और सामग्री निर्माण से संबंधितकार्यों*** को भी रेखांकित किया गया।

यह आयोजन राष्ट्रपति महोदय की भारत के राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा अलग-अलग किए जा रहे नवीन अनुसंधानों, शोधकार्यों और नवाचारों को एक-दूसरे के मिलाने और परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने की योजना के अंतर्गत किया गया। इसमें भारत के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों और प्रमुख केंद्रीय संस्थानों (आई.आई.टी. तथा एन.आई.टी.) द्वारा सहभागिता की गई। इनमें से केवल 5 संस्थानों/विश्वविद्यालयों को प्रस्तुतिकरण का अवसर प्रदान किया गया, जिनमें से एक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा भी है।

इस प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय में विकसित किए गए वर्तनी जाँचक, रूपविश्लेषक, रूपसर्जक, टैगर, देवनागरी रोमन लिप्यंतरण प्रणाली, पुस्तकालय प्रंबंधन, शब्दत-गणना निर्धारक, अवकाश विवरण आदि सॉफ्टवेयरों और 'हिंदी सीखें एप' का परिचय दिया गया। दिनांक 10-03-2015 को मुख्य हॉल में प्रस्तुतिकरण करने के पश्चात सभी विश्वविद्यालयों

का पोस्टर मैदान में आयोजन स्थल पर लगाया गया, जिसमें बाहर के लोगों ने भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे और जानकारियाँ लीं।

इस आयोजन में सहभागिता करने वाले सभी विश्वविद्यालयों/संस्थानों और उनके नवाचार क्लब सदस्यों की उपलब्धियों को 'Booklet on Workings of National Innovation Clubs@ Institutes of Higher Studies' नाम से प्रकाशित भी किया गया है। इसकी एक-एक प्रति सहभागिता कर रहे नवाचार क्लब सदस्यों को भी प्रदान की गई। डॉ. धनजी प्रसाद और श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय द्वारा यह पुस्तक आदरणीय कुलपति महोदय को भेंट की गई।